



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

खण्ड 37]

शिमला, शनिवार, 28 जनवरी, 1989/8 माघ, 1910

[संख्या 4

विषय-सूची		
भाग 1	वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि	74—76 तथा 81—83
भाग 2	वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि	83
भाग 3	अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाइनेशियल कमिश्नर तथा कमिश्नर आफ इन्कम टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि	76—77
भाग 4	स्थानीय स्वायत्त शासन: म्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग	—
भाग 5	वैयक्तिक अधिसूचनाएं और विज्ञापन	77—81 तथा 84
भाग 6	भारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुनः प्रकाशन	—
भाग 7	भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं	—
—	अनुपूरक	—

28 जनवरी, 1989/8 माघ, 1910 को समाप्त होने वाले सप्ताह में निम्नलिखित विज्ञापित 'असाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश' में प्रकाशित हुईं:—

विज्ञप्ति की संख्या	विभाग का नाम	विषय
संख्या 1-3/88-ई. एल. एन., दिनांक 16 जनवरी, 1989.	निर्वाचन विभाग	भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना संख्या 56/84-51; दिनांक 29 दिसम्बर, 1988 इस के अंग्रेजी रूपान्तर सहित का प्रकाशन।
No. Agr. F (II)-I/80-II, dated 31st August, 1988.	Agriculture Department	Rules regulating the payment of grant-in-aid to the Himachal Pradesh State Seed Certification Agency.
No. 3-76/86-TSM (Sectt.), dated 17th September, 1988.	Tourism Department	The Himachal Pradesh incentives to Dhabas Scheme, 1988.
No. 313-386, dated 16th January, 1989.	Office of the District Magistrate, Kangra at Dharamshala	Fixing the maximum retailsale rates inclusive of all taxes of certain food commodities in Kangra district for the period of one month i. e. upto 23rd February, 1989.

भाग 1—वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि

हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट

NOTIFICATIONS

Shimla-1, the 12th January, 1989

No. HHC/GAZ/14-33/74-II-602.—The Hon'ble the Chief Justice and Judges are pleased to grant 24 days earned leave w.e.f. 18-1-1989 to 10-2-1989 with permission to suffix Second Saturday and Sunday falling on 11th and 12th February, 1989 in favour of Shri Rameshwar Sharma, Additional District and Sessions Judge, Bilaspur.

Certified that Shri Rameshwar Sharma is likely to join the same post and at the same station from where he will proceed to avail leave after expiry of the above leave period.

Also certified that Shri Rameshwar Sharma, would have continued to hold the post of Additional District and Sessions Judge, Bilaspur, but for his proceeding on leave for the above period.

Shimla-1, the 16th January, 1989

No. HHC/GAZ/3(17)/71-692.—The Hon'ble the Chief Justice is pleased to sanction 13 days earned leave i. e. w. e. f. 6-2-1989 to 18-2-1989 with permission to prefix special casual leave from 16-1-1989 to 5-2-1989 and suffix Sunday falling on 19-2-1989 in favour of Shri G. D. Sehgal, Special Secretary to Hon'ble the Chief Justice.

Certified that Shri G. D. Sehgal is likely to join the same post and at the same station from where he will proceed to avail leave, after expiry of the above leave period.

Also certified that Shri G. D. Sehgal, would have continued to hold the post of Special Secretary to Hon'ble the Chief Justice but for his proceeding on leave for the above period.

By order,
B. K. SHARMA,
Deputy Registrar (Adm.).

हिमाचल प्रदेश सरकार

गृह विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 2 जनवरी, 1989

संख्या गृह(ए)एफ(13)-4/83.—यतः केन्द्रीय सरकार ने केन्द्र के प्रयोजन हेतु भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का अधिनियम संख्या-1) के अन्तर्गत भूमि अर्जन के कार्य, राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश का भारत सरकार के कृषि एवं ग्रामीण विकास मन्त्रालय द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद 258 के खण्ड (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना संख्या का 0 आ 0 782 (अ), दिनांक 25-10-1985 द्वारा सुधुर्व किये गये हैं ;

और यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि केन्द्रीय सरकार को अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव कोटलाधार, तहसील अम्ब, जिला ऊना में सीमा सुरक्षा बल के लिए स्पोटर स्टेशन के निर्माण हेतु भूमि अर्जन करना अपेक्षित है। अतएव एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में निम्न विवरणी में विनिर्दिष्ट भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इसमें सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी हेतु भूमि अर्जन अधिनियम, 1894

(1894 का पहला अधिनियम) की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित या अनुमत अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

कोई भी ऐसा हितवद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, अम्ब, जिला ऊना के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विस्तृत विवरणी

जिला : ऊना		तहसील : अम्ब	
ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	कनाल मस्ता
1	2	3	4
कोटलाधार	3/1	3	11
आदेश द्वारा, कंवर शमशेर सिंह, आयुक्त एवं सचिव।			

बहुदेशीय परियोजना एवं विद्युत विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 28 दिसम्बर, 1988

संख्या विद्युत-छ (5)-15/87.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि राष्ट्रीय जल विद्युत परियोजना निगम सीमित (एन 0 एच 0 सी 0) जोकि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा 3 के खण्ड (सी 0 सी 0) के अर्थात् सरकारी स्वामित्व और नियन्त्रण के अधीन एक निगम है के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः मुहाल बरगाल नं 0 ह 0 (38) तहसील सलूणी, जिला चम्बा में चमेरा जल विद्युत परियोजना चरण-1 हेतु कर्मचारियों के भवन के निर्माण हेतु भूमि की जानी अपेक्षित है। अतएव एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विस्तृत विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-6 के उपबन्धों के अधीन इसमें सम्बन्धित सभी व्यक्तियों के लिए यह घोषणा की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता, चमेरा जल विद्युत परियोजना हिल फ्रूट्स, डाकघर मुलतानपुर, जिला चम्बा को एतद्वारा उक्त भूमि के अर्जन करने के आदेश लेने का एतद्वारा निदेश दिया जाता है।

3. भूमि का रेखांक भू-अर्जन समाहर्ता, चमेरा जल विद्युत परियोजना हिल फ्रूट्स, डाकघर मुलतानपुर, जिला चम्बा के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

विवरण

जिला : चम्बा		तहसील : सलूणी	
ग्राम/मुहाल	खसरा सं०	नेत्र	
1	2	बो०	बि०
		3	4
बरगाल (38)	118	0	19
	119	1	8
	120	2	9

1	2	3	4
	121	0	5
	122	0	9
	123	3	15
	125	0	5
	126	0	5
	127	0	5
	128	0	3
	129	0	5
	130	0	6
	131	0	2
	132	0	6
	133	0	3
	134	0	4
	135	0	8
	136	0	2
	137	0	3
	138	0	5
	139	0	2
	140	0	2
	141	1	16
	142	0	2
	143	0	2
	144	0	1
	145	0	1
	146	0	2
	147	0	2
	148	0	3
	149	0	2
	150	1	16
	151	0	10
	152	0	7
	998/153	0	4
	1000/159	1	16
	161	0	4
किता	37	19	19

शिमला-2, 28 दिसम्बर, 1988

1. सं० विद्युत-छ (5)-15/88.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि राष्ट्रीय जल विद्युत परियोजना निगम सीमित (एन० एच० पी० सी०) जोकि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा 3 के खण्ड (सी० सी०) के अधिनियम सरकार के स्वामित्व और नियन्त्रण के अधीन एक निगम है, के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः ग्राम चोहड़ा, नं० ह० (64) तहसील भटियात, जिला चम्बा में चमेरा जल विद्युत परियोजना के पुल के निर्माण हेतु भूमि ली जानी अपेक्षित है एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विस्तृत विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन इससे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों के लिए यह घोषणा की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन भू-अर्जन समारोह चमेरा जल विद्युत परियोजना हिल फूटस डाकघर मुलतानपुर, जिला चम्बा को उक्त भूमि के अर्जन के लिए आदेश लेने का एतद्वारा निर्देश दिया जाता है।

3. भूमि का रेखांक भू-अर्जन अधिकारी चमेरा जल विद्युत परियोजना हिल फूटस डाकघर मुलतानपुर, जिला चम्बा के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

विवरणी

जिला : चम्बा	तहसील : भटियात
ग्राम	क्षेत्र
1	2
3	4
चोहड़ा (64)	69/1
किता	1

शिमला-2, 9 जनवरी, 1989

संख्या विद्युत-छ (5)-66/88.—यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि राष्ट्रीय जल विद्युत परियोजना निगम सीमित (एन० एच० पी० सी०) जोकि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा 3 के खण्ड (सी० सी०) के अधिनियम सरकार के स्वामित्व और नियन्त्रण के अधीन एक निगम है, के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः मुहान शेरपुर, नं० ह० (61), तहसील भटियात, जिला चम्बा (हि० प्र०) में चमेरा जल विद्युत परियोजना सड़क (Irreparable) के निर्माण हेतु भूमि अर्जन करना अपेक्षित है। अतएव एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिसर में जैसा कि नीचे विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है कि उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित प्रत्येक अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सह्य प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी ऐसा हितवद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिसर में कथित भूमि के अर्जन करने पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समारोह, चमेरा जल विद्युत परियोजना, हिल फूटस, डाकघर मुलतानपुर, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला : चम्बा	तहसील : भटियात
मुहान	क्षेत्र
खसरा नं०	बो० वि०
1	2
3	4
शेरपुर (61)	1166
	1186/1
	1375/1201
	1383/1300
	1302/2/1
	1103
	1305/1
	1335/1308
किता	8

शिमला-2, 9 जनवरी, 1989

संख्या विद्युत-छ (5)-68/88.—यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश विजली बोर्ड जोकि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा 3 के खण्ड (सी० सी०) के अधिनियम सरकार के स्वामित्व और नियन्त्रण के अधीन एक निगम है, के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः गांव गाहर, तहसील सदर, जिला बिनासपुर में व्यास कंस्ट्रक्शन बोर्ड (पावर विग) को 400 के० बो० सिंगल सेकंड डैहर-भिवानी लाइन निर्माण हेतु भूमि अर्जन की जानी अपेक्षित है कि निम्नलिखित विस्तृत विवरणी में वर्णित भूमि उपरोक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. अत्यधिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के अधीन यह भी निदेश देते हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5-ए के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

भाग 2—वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि

शान्य

भाग 3—अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाइनेशियल कमिशनर तथा कमिशनर आफ इन्कम टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि

शिक्षा विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 27 दिसम्बर, 1988

संख्या च(2) 3/87-शिक्षा-ग.—यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव/कस्बा सराहा, तहसील पच्छाद, जिला सिरमौर में राजकीय कन्या माध्यमिक पाठशाला सराहा के खेल के मैदान के निर्माण हेतु भूमि ली जानी अपेक्षित है, अतएव एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र से जैसा कि निम्न विवरणी में वर्णित भूमि का अर्जन उक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह घोषणा भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन इससे संबंधित सभी व्यक्तियों की सूचना हेतु की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता, राजगढ़ (उप-मण्डल अधिकारी, सिविल), राजगढ़, जिला सिरमौर को उक्त भूमि को अर्जन करने के आदेश लेने का एतद्वारा निदेश दिया जाता है।

3. भूमि का रेखांक भू-अर्जन समाहर्ता, (उप-मण्डल अधिकारी, सिविल), राजगढ़, जिला सिरमौर के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

विवरणी

जिला : सिरमौर		तहसील : पच्छाद	
गांव/कस्बा	खसरा नम्बर	क्षेत्र	
		बी०	बि०
1	2	3	4
सराहा	318	0	14
किता ..	1	0	14

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
वितायुक्त।

वन्य खेली एवं संरक्षण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 दिसम्बर, 1987

संख्या 6-9/73-एस० एफ० लूज.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) की धारा 64 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकार की अधिसूचना 6-9/73-एस० एफ०, तारीख 24-2-1975 द्वारा अधिसूचित और 25-6-1975 के शासकीय राजपत्र में प्रकाशित हिमाचल प्रदेश वार्ड्स

विवरणी

जिला : बिलासपुर		तहसील : सदर	
ग्राम	खसरा नम्बर	क्षेत्र	
		बी०	बि०
गाहर/124	79/2/1	0	1 बरानी
आदेश द्वारा, कैलाश चन्द महाजन, सचिव।			

AMENDMENTS

I. *Short title, extent and commencement.*—(1) These rules may be called the Wild Life (Protection) Himachal Pradesh (1st Amendment) Rules, 1987.

(2) They shall extend to the whole of the State of Himachal Pradesh.

(3) They shall come into force from the date of publication of this notification in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

II. *Amendment of rule 34.*—For the words and bracket one year from the date of publication of Wild Life (Protection) Himachal Pradesh (Amendment) Rules, 1984 occurring in rule 34 of the Wild Life (Protection) Himachal Pradesh Rules, 1985 the words and brackets "one year from the date of publication of Wild Life (Protection) Himachal Pradesh (Amendment) Rules, 1987" shall be substituted.

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
सचिव।

[Authoritative English text of Government Notification No. 6-9/73-S. F.-Loose, dated 23-12-87 is hereby published in the Rajpatra Himachal Pradesh as required under Article 348(3) of the Constitution of India.]

FOREST FARMING AND CONSERVATION
DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd December, 1987

No. 6-9/73 SF-Loose.—In exercise of the powers vested in him under section 64 of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following rules, further to amend the Wild Life (Protection) Himachal Pradesh Rules, 1975, notified vide Government notification number 6-9/73-SF, dated 24-2-1975 and published in the Official Gazette on 25-6-1975, namely:—

I. *Short title, extent and commencement.*—(1) These rules may be called the Wild Life (Protection) Himachal Pradesh (1st Amendment) Rules, 1987.

(2) They shall extend to the whole of the State of Himachal Pradesh.

(3) They shall come into force from the date of publication of this notification in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

II. Amendment of rule 34.—For the words and bracket "one year from the date of publication of Wild Life (Protection) of Himachal Pradesh (Amendment) Rules, 1984" occurring in rule 34 of the Wild Life (Protection) Himachal Pradesh Rules, 1975, the words and brackets "one year

from the date of publication of Wild Life (Protection) Himachal Pradesh (Amendment) Rules, 1987" shall be substituted.

By order,
Sd/-
Secretary.

भाग 4—स्थानीय स्वायत्त शासन: म्युनिसिपल बोर्ड, इंडस्ट्रियल बोर्ड, नोटिफाइड और टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग

जन्य

भाग 5—वर्षावतक अधिसूचनाएं और विज्ञापन

In the Court of Shri K. C. Negi, Senior Sub-Judge, Hamirpur, Himachal Pradesh

Civil Suit No. 225-1/88

Roshan Lal Versus Bhagwan Dass etc.

Suit for permanent injunction of land khata No. 3 min, Khatauni No. 4 min, Khasra No. 36 measuring 1 kanal 18 marlas, Jamabandi 1986-87 of Tika Khansara, Tappa Lohdar, Tehsil Barsar, District Hamirpur, Himachal Pradesh.

Versus:

Shri Devi Chand s/o Shri Sarwan, r/o Khansara, Tappa Lohdar, Tehsil Barsar, District Hamirpur, Himachal Pradesh.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that the above named defendant cannot be served in the ordinary course of service of summons issued against him.

Hence this proclamation u/o 5, rule 20, C.P.C. is hereby issued against him to appear in this court on 7-2-89 at 10 A. M. personally or through an authorised agent or pleader to defend the case failing which he will be proceeded *ex-parte*.

Given under my hand and seal of the court today this the 12th day of January, 1989.

Seal.

K. C. NEGI,
Senior Sub-Judge,
Hamirpur, H. P.

In the Court of Shri K. C. Negi, Senior Sub-Judge Hamirpur, Himachal Pradesh

Civil Suit No. 242-1/87

Nirmala Devi Versus Milkhi Ram

Versus:

Milkhi Ram s/o Sh. Kirpa Ram, r/o Jakhyol, Tappa Mehalta, Tehsil and District Hamirpur, H.P. at present r/o Talwara near Criminal Laboratory Hospital, Pathankot (Pb.)

Whereas in the above noted case, it has been proved to the satisfaction of this court that the above named defendant cannot be served in the ordinary course of service as they are evading the service of summon, issued against them.

Hence this proclamation u/o 5, rule 20, C.P.C. is hereby issued against him to appear in this court on 7th February, 1989 at 10 A.M. personally or through an authorised agent or pleader to defend the case, failing which he will be proceeded *ex-parte*.

Given under my hand and seal of the court today this the 2nd day of January, 1989.

Seal.

K. C. NEGI,
Senior Sub-Judge,
Hamirpur, Himachal Pradesh.

In the Court of Shri A. C. Thalwal, Sdb-Judge 1st Class, Amb, District Una, Himachal Pradesh

Civil Suit No. 346/87

Bakshish Singh Vs Smt. Mehar Devi etc.

Versus:

Defts. No. 7. Des Raj, 8. Nardev Singh, 9. Baldev Singh, 10. Chain Singh, 11. Mohinder Singh major sons of Ram Chand, 12. Vishwa Nath, 13. Major Singh minor sons of Ram Chand, 14. Smt. Savitri Devi widow of Ram Chand all residents of village Pirthipur, Tehsil Amb, District Una. Defts. No. 12 and 13 who are minors are being sued through their mother Smt. Savitri Devi defendant No. 14 being next friend and guardian *ad litem*

Whereas in the above noted civil suit it has been proved to the satisfaction of this court that the above named defendants can not be served through an ordinary way of service. Hence this proclamation u/o 5, rule 20, C. P. C. is issued against them to appear in this court on 4-2-1989 at 10 A.M. personally or through an authorised agent or pleader to defend the case failing which an *ex-parte* proceedings shall be taken against them.

Given under my hand and seal of the court this the 20th day of December, 1988.

Seal.

A. C. THALWAL,
Sub-Judge 1st class,
Amb, District Una, Himachal Pradesh.

In the Court of Shri R. L. Azad. Sub-Judge 1st Class, Hamirpur

Civil Suit No. 266/1987

Amar Nath Versus Ishwar Dass.

Versus: Brij Lal s/o Suraj Ram, r/o Karsai, Tappa Phahal, Tehsil Nadaun, District Hamirpur
...Defendant

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that service up on the above noted defendant is not possible by an ordinary mode of service. Hence this proclamation under order 5, rule 20, C. P. C. is hereby issued against the above noted defendant to appear before this court on 7-2-1989 at 10 A. M. personally or through an authorised agent or pleader to defend the case failing which case will be heard *ex-parte*.

Given under my hand and seal of the court today this 11th day of January, 1989.

Seal.

R. L. AZAD,
Sub-Judge 1st Class (I),
Hamirpur.

In the Court of Sub-Judge 1st Class, Paonta Sahib,
Himachal Pradesh

Case No. 4/1 of 86

State Bank of India, a corporation constituted under the State Bank of India Act, 1955 and having one of its Commercial Branch at Taruwala, Tehsil Paonta, District Sirmour, Himachal Pradesh through its Branch Manager Shri C. B. Gupta .. Plaintiff.

Versus

1. M/s Himachal Foundry and Engineering Works through its Prop. Rajindra Kawatra son of Shri Daulat Ram, 21 Industrial Area Gondpur, Tehsil Paonta Sahib, District Sirmour, Himachal Pradesh.

2. Smt. Neelam Kawatra wife of Shri Rajinder Kawatra resident of 1/809 A Vishkarma Nagar, District Ambala (Haryana) .. Defendants.

Suit for recovery of Rs. 1,16,118

Whereas in the above noted case, it has been proved to the satisfaction of this court that the above named defendant No. 1. is evading the service of the summon and cannot be served in the normal course of service. Hence this proclamation is hereby issued against him to appear in this court on 2-2-1989 at 10 A. M. at Paonta Sahib personally or through an authorised agent or pleader to defend the case failing which *ex-parte* proceedings will be taken against him.

Given under my hand and the seal of this court today this 9th day of December, 1988.

Scal,
V. K. GUPTA,
Sub Judge 1st Class,
Paonta Sahib, Himachal Pradesh.

व अदालत जनाब श्री साली ग्राम शर्मा, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, बैजनाथ, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं० 68/87-88 दस्तुती इन्द्राज

श्रीमती तारो देवी बनाम वरड पाल वर्मा ।

नोटिस बनाम:

(1) वरड पाल, (2) यशपाल सिंह पुत्र, (3) राजकुमारी, (4) जगतम्बी देवी पुत्रियां व (5) श्रीमती मुरजू देवी विधवा होरा, निवासी महिला, मौजा चढियार, तहसील बैजनाथ, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश .. फीक दोयम ।

प्रार्थना-पत्र दस्तुती इन्द्राज भूमि खाता नं० 24 मिन, खतोनी नं० 80 खसरा नं० 4-9-12-15-21-90-92-189-192-197-199-202-207-211-226-266-273-323-326-328-366-368-393-401-448-451-458-459-464-466-480-496-471-533-536-538-643-650-652-667-676-685 कित्ता 42 रकबा तादादी 0-72-28 हैक्टयर बाक्या महाल महिला, मौजा चढियार, तहसील बैजनाथ, हिमाचल प्रदेश ।

व मुकद्दमा उपरोक्त में फीक दोयम उपरोक्त को कई बार समन जारी हुए परन्तु इन की तामील न हो रही है । अदालत हजा को पूर्ण विश्वास हो चुका है कि इन उपरोक्त फीक दोयम की तामील आसान तरीका से न हो सकती है । अतः उन्हें इस इशतहार राजपत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 7-2-89 को प्रातः 10 बजे अदालत हजा में असालतन या वकालतन हाजिर हो कर पैरवी मुकद्दमा करे अन्यथा हस्व जान्ता कार्यवाही अमल में लाई जावगी ।

आज तिथि 30-12-88 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुया ।

मोहर ।

साली ग्राम शर्मा,
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
बैजनाथ ।

व अदालत श्री साली ग्राम शर्मा, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, बैजनाथ, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं० 63/87-88 दस्तुती इन्द्राज

ईश्वर दास

बनाम

बाल कृष्ण

नोटिस बनाम:

बाल कृष्ण पुत्र नारायण, निवा सीमली, मौजा भुआना, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा .. फीक दोयम ।

प्रार्थना-पत्र दस्तुती इन्द्राज व खाना भूमि खाता नं० 12, खतोनी नं० 44, खसरा नं० 137-140-142-174 कित्ता 4 तादादी 0-60-73 हैक्टयर बाक्या महाल बगड़ी, मौजा सगुर, तहसील बैजनाथ ।

व मुकद्दमा उपरोक्त में फीक दोयम को कई बार समन जारी हुए परन्तु इस की तामील न हो रही है । अदालत हजा को पूर्ण विश्वास हो चुका है कि इस उपरोक्त फीक दोयम की तामील आसान तरीका से न हो सकती है । अतः उसे इस राजपत्र इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि वह तिथि 7-2-89 को प्रातः 10 बजे अदालत हजा में असालतन या वकालतन हाजिर हो कर पैरवी मुकद्दमा कर अन्यथा हस्व जान्ता कार्यवाही अमल में लाई जावगी ।

आज तिथि 30-12-88 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुया ।

मोहर ।

साली ग्राम शर्मा,
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
बैजनाथ ।

व अदालत श्री हरि सिंह पराशर, सब-रजिस्ट्रार, उप-तहसील बालीचौकी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं० 7/7-12-88

श्री गुलाब सिंह सपुत्र श्री राम सिंह, निवासी कांडा, इलाका बागोयाच, उप-तहसील बालीचौकी, जिला मण्डी .. प्रार्थी ।

बनाम

ग्राम जनता

प्रार्थना-पत्र जे० धारा 40/41 भारतीय पंजीयन ऐक्ट के अन्तगत बराए तस्दीक करने बसोतनामा श्री राम सिंह सपुत्र सायरा, निवासी कांडा, इलाका बागोयाच तहरार शुह 4-12-1988.

नोटिस

बनाम:

ग्राम जनता

उपरोक्त विषय पर ग्राम जनता को बजरिया इशतहार सूचित किया जाता है कि उपरोक्त बसोतनामा को भारतीय पंजीकरण अधिनियम की धारा 40/41 के अन्तगत पंजीकरण करने में कोई उजर हो तो वह दिनांक 9-2-1989 को असालतन या वकालतन इस अदालत हजा में सुबह दस बजे हाजिर आवे असूरत दीगर कार्यवाही अमल में लाई जावगी ।

आज दिनांक 7-1-1989 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुया ।

मोहर ।

हरि सिंह पराशर,
सब-रजिस्ट्रार, उप-तहसील बालीचौकी,
जिला मण्डी ।

ब. अदालत प्रशोक मलहोत्रा, सब-रजिस्ट्रार, धर्मशाला, जिला कांगड़ा

ब. हुक्म जनाब आर० एन० करोल, तहसीलदार ब. अख्यारात सब-रजिस्ट्रार, हमीरपुर

1. श्री दिवान चन्द, 2. गुरू राम, 3. निक्कू राम, 4. जगत राम पुत्र श्री सुवा राम पुत्र सोहनू राम, वासी टीका जैहसर, मौजा योल, तहसील धर्मशाला .. वादीगण।

मुकदमा नं० 19 आफ 1988

बनाम

श्री अश्विनी कुमार पुत्र राय सिंह, वामी नलमी, तप्पा नारा, तहसील व जिला हमीरपुर .. सायल।

ग्राम जनता

बनाम

ग्राम जनता

मसूलअनह।

2. श्रीमती राजकुमारी पत्नी रत्न चन्द, वासी सिधवाड़ी, तहसील धर्मशाला, 3. श्रीमती सत्या देवी पत्नी मुख सिंह, वासी सिधवाड़ी, तहसील धर्मशाला .. प्रतिवादीगण।

विषय:—प्रार्थना-पत्र धारा 40/41 भारतीय पंजीकरण अधिनियम

नोटिस:

दरखास्त जेरे धारा 40/41 बाबत रजिस्टर्ड करने वसीयतनामा मुतवफी श्री राम सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री प्रभा राम, वासी नलमी, तप्पा नारा, तहसील व जिला हमीरपुर तहरीर शुदा दिनांक 28-2-88 नोटिस बनाम ग्राम जनता।

हरग्राह ग्राम व आप (प्रतिवादीगण) को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वादीगण ने एक प्रार्थना-पत्र जेरे धारा 40/41 भारतीय पंजीकरण अधिनियम के अधीन हमारी अदालत में बराये पंजीकरण हेतु (वसीयतनामा दिनांक 14-9-88 लिखित बहक प्रार्थीगण श्री दिवान चन्द आदि पुत्र श्री सुवा राम पुत्र सोहनू राम, वासी टीका जैहसर, माजा योल, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा) पेश की है। यदि किसी व्यक्ति को इस वसीयतनामा को पंजीकरण करने बारे कोई एतराज हो तो वह हमारी अदालत में दिनांक 2-2-1989 को प्रातः 10.00 बजे हाजर आकर पेश कर सकता है। अन्यथा कार्यवाही हस्तजाब्ता अमल में लाई जावेगी।

यह इशतहार आज दिनांक 22-12-88 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

अशोक मलहोत्रा,
सब-रजिस्ट्रार, धर्मशाला,
जिला धर्मशाला।

मोहर।

आर० एन० करोल,
सब-रजिस्ट्रार, हमीरपुर।

ब. अदालत जनाब भगवान दास मदान, सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी (एल०आर०ओ०), घुमारवीं, तहसील घुमारवीं, जिला बिलासपुर

ब. अदालत श्री आर० एन० करोल, तहसीलदार व अख्यारात सहायक कुलैक्टर प्रथम, श्रेणी, हमीरपुर

मुकदमा तकसीम मुकदमा नं० 80 आफ 87

मुकदमा बरुस्ती इन्दाज

देश राज बनाम

इन्द्र राम वगैरा।

मुन्शी राम सुपुत्र श्री लखू राम, निवासी घाड़त, परगना सरयून।

नोटिस बनाम:

बनाम

श्री रत्ना राम पुत्र श्री फता राम, वासी टीका फाफन, तप्पा महलता, तहसील व जिला हमीरपुर।

1. वोहरू सुपुत्र मरुवी, 2. रूनी देवी, 3. कमला देवी, 4. लक्ष्मी देवी, 5. चैना देवी पुत्रियां व श्रीमती प्रसीनू देवी, 6. कृष्ण दास, 7. बलदेव दास पुत्रान व 8. श्रीमती किम्पी देवी 9. बिमला देवी पुत्रियां व श्रीमति जानकी देवी पत्नी श्री कांशी राम, मौजा घाड़त, परगना सरयून, तहसील घुमारवीं।

उनवान: दरखास्त बाबत तकसीम मन्दर्जी खाता नं० 106, खतौनी नं० 112, खसरा नम्बरान 222, 230, 272 किता 3 रकबा तादादी 21 कनाल 12 मरले बाक्या टीका फाफन, तप्पा महलता, तहसील व जिला हमीरपुर।

दरखास्त बरुस्ती इन्दाज अराजी तादादी 0-6 बिस्वा, नं० ख० 234 नं० खाता/खतौनी 32/50 बाक्या मौजा घाड़त, परगना सरयून, तहसील घुमारवीं।

हरग्राह उपरोक्त मुकदमा उनवान वाला में समस्त फरीक दोयम को कई बार समन जारी किए गए परन्तु तामील असालतन नहीं हो रही है। अदालत को यकीन हो चुका है कि तामील असालतन नहीं हो सकती है। अतः समस्त फरीक दोयम की तल्बी बजरिया इशतहार आर्डर 5, रूल 20, जाब्ता दिवानी उपरोक्त मुकदमा बरुस्ती इन्दाज में सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त मुकदमा में कोई उजर व एतराज हो तो अपनी सुनवाई निर्धारित दिनांक 2-2-89 को सुबह 10 बजे हाजर होकर अदालत हजा में कर सकते हैं। गर हाजरी की सूरत में एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जावेगी।

उपरोक्त मुकदमा उनवान वाला में उपरोक्त प्रत्यार्थी को अदालत हजा से समन बराये तामील जारी होते रहे हैं लेकिन बिला तामील प्राप्त होते रहे हैं। र्स्पोंट तामील कुनिन्दा से पाया गया है कि उपरोक्त प्रत्यार्थी जान-बूझ कर तामील समन स आनाकानी कर रहा है जिससे अदालत हजा को पूर्ण विश्वास हो चुका है कि उपरोक्त प्रत्यार्थी की आसानी से तामील होना असम्भव है। अतः उपरोक्त प्रत्यार्थी को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 7-2-89 को प्रातः 10 बजे अदालत हजा में असालतन या बकालतन हाजिर आकर मुकदमा हजा की पैरवी कर गैरहाजरी की सूरत म एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 26-12-88 को मेरे हस्ताक्षर व निशान मोहर से जारी किया गया।

यह इशतहार आज दिनांक 24-12-88 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

भगवान दास मदान,
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
घुमारवीं, जिला बिलासपुर।

मोहर।

आर० एन० करोल,
तहसीलदार व अख्यारात सहायक कुलैक्टर प्रथम श्रेणी,
हमीरपुर।

ब अदालत श्री राम दास सब-रजिस्ट्रार, नादीन, जिला हमीरपुर,
हिमाचल प्रदेश

श्री राम किशन, श्री पूरन चन्द, जागीर सिंह पिसरान बोधा,
वासी गुरेड, मौजा कोहला, तहसील नादीन, जिला हमीरपुर .. सायलान ।

बनाम

ग्राम जनता

मसूल अल्लेहम ।

दरखास्त रजिस्टर्ड किये जाने बसायतनामा जेर घारा 40/41
भारतीय रजिस्ट्री विधान ।

मुकद्मा उनवान बाला में हर ग्राम व खास को सूचित किया जाता है कि रामकिशन आदि ने 10-11-88 को इस कार्यालय में दरखास्त दी है कि श्रीमती फूला देवी देवा बोधा, निवासी गुरेड, तप्पा कोहला, तहसील नादीन, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश ने यह वसीयतनामा बहक श्री राम किशन, पूरन चन्द, जागीर सिंह पिसरान बोधा, वासी गुरेड, मौजा कोहला क नाम लिखवाया है कि उसकी चल व अचल सम्पत्ति प्रार्थीगण के नाम कर दी जाये । जिसकी पेशी 9-2-1989 को इस अदालत में रखी गई है । यदि इस सम्बन्ध में किसी को किसी किस्म का उजर व एतराज हो तो उपरोक्त तारीख को असालतन या वकालतन समय 10 बजे अदालत हुआ में बराये पैरवी हाजिर आये अन्यथा गैर हाजरी में वसीयत पंजीकृत कर दी जायेगी । सूचित रहे ।

आज दिनांक 2-1-1989 को इशतहार हस्ताक्षर व मोहर द्वारा मेरे कार्यालय से जारी किया गया ।

मोहर ।

राम दास शर्मा,
सब-रजिस्ट्रार, नादीन,
जिला हमीरपुर ।

ब अदालत श्री सुन्दर सिंह चौहान, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता
प्रथम श्रेणी, पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं० 4/88 तारीख पेशी 2-2-89 किस्म मुकद्मा तकसीम

चना राम बनाम ललिता कुमारी आदि

बनाम : सर्वश्री रणवीर सिंह, बलवीर सिंह, जसवीर सिंह पुतान बसन्त सिंह, सकना गढ़जमूला, पृथ्वी सिंह सुपुत्र सदा नन्द, सकना देहण, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा .. मसूल अल्लेहम ।

दरखास्त तकसीम भूमि मुन्दर्जा खाता नं० 64 खतौनी नम्बरान 199, 200, 201, 202, 203 खसरा किन्ने 12 तादादी 0-35-95 हैक्टयर वाक्या महाल व मौजा वनघमार, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

ब मुकद्मा उपरोक्त में मसूल अल्लेहम को इस अदालत से कई बार समन जारी हो चुके हैं और उनकी तामील साधारण ढंग से नहीं हो रही है । अतः उक्त मसूल अल्लेहम को इस इशतहार गजट द्वारा सूचित किया जाता है कि वह मिति 2-2-89 को प्रातः 10 बजे असालतन या वकालतन हाजिर अदालत आकर पैरवी मुकद्मा करे । बसूरत दीगर कार्यवाही अमल में लाई जावेगी । सूचित रहे ।

यह इशतहार आज दिनांक 11-1-89 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

सुन्दर सिंह चौहान,
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
पालमपुर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

ब अदालत जनाब सुन्दर सिंह चौहान, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता
प्रथम श्रेणी, पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा नं० 31/88

तारीख पेशी 2-2-89

किस्म मुकद्मा दस्तुती इन्दराज

रमेश चन्द आदि

बनाम

ईश्वर दास आदि

बनाम: श्री बाल कृष्ण सुपुत्र हमाला सुपुत्र श्री समां सकना टीका गदयाडा,
मौजा रानी सिद्धपुर, तहसील पालमपुर .. मसूल अल्लेहम ।

दरखास्त दस्तुती इन्दराज भूमि मुन्दर्जा खाता नं० 02 मिन खतौनी नं० 4 मिन खसरा नं० 745 रकबा तादादी 0-57-80 हैक्टयर वाक्या महाल बडोरल, मौजा रानी सिद्धपुर, तहसील पालमपुर ।

ब मुकद्मा उपरोक्त में मसूल अल्लेहम को इस अदालत से कई बार समन जारी हो चुके हैं और उसकी तामील साधारण ढंग से नहीं हो रही है । अतः उक्त मसूल अल्लेहम को इस इशतहार गजट द्वारा सूचित किया जाता है कि वह मिति 2-2-89 को प्रातः 10 बजे असालतन या वकालतन हाजिर अदालत आकर पैरवी मुकद्मा करे । बसूरत दीगर कार्यवाही अमल में लाई जावेगी ।

यह इशतहार आज दिनांक 11-1-89 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

सुन्दर सिंह चौहान,
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
पालमपुर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

ब अदालत श्री पी० सी० कटोच, उप-पंजीकाध्यक्ष, तहसील सदर,
जिला मण्डी (हि० प्र०)

ब मुकद्मा:

श्री रामेश्वर सिंह नाबालग सुपुत्र श्री पूरन सिंह द्वारा संरक्षक श्री पूरन सिंह सुपुत्र श्री शेर सिंह, निवासी मकान नं० 153/13, पड्डल मुहल्ला, मण्डी शहर (हि० प्र०) .. प्रार्थी ।

ग्राम जनता

दरखास्त बाबत तस्दीक व रजिस्टर किये जाते वसीयत घारा 40/41 भारतीय रजिस्ट्रेशन ऐक्ट ।

हर खास व ग्राम को सूचित किया जाता है कि श्री रामेश्वर सिंह नाबालग सुपुत्र श्री पूरन सिंह द्वारा संरक्षक श्री पूरन सिंह ने इस अदालत में 29-11-88 को दरखास्त दी है कि स्वर्गीय श्रीमती भगवती देवी पत्नी स्वर्गीय शेर सिंह, निवासी मण्डी शहर ने एक वसीयतनामा बहक श्री रामेश्वर सिंह के नाम लिखवाया है कि अपनी पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति उसके मरणोपरान्त प्रार्थी के नाम की जावे जिसकी तारीख पेशी 2-2-1989 को इस अदालत में रखी है । यदि इस सम्बन्ध में किसी को किसी किस्म का कोई उजर व एतराज हो तो उपरोक्त तारीख को असालतन व वकालतन समय 10 बजे अदालत हुआ में बराये पैरवी हाजिर आये । अन्यथा गैर हाजरी में वसीयत पंजीकृत कर दी जावेगी । सूचित रहे ।

आज दिनांक 2-1-1989 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर द्वारा इस अदालत से जारी किया गया ।

मोहर ।

पी० सी० कटोच,
उप-पंजीकाध्यक्ष,
तहसील सदर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश ।

In the Court of Shri Pritam Singh Jhaba, Sub-Registrar, Suni, Tehsil Suni, District Shimla, Himachal Pradesh

जमाबन्दी साल 1983-84 वाक्या मौजा नगडाह, तहसील व जिला ऊना ।

In the case of :

- | | |
|------------------------|---|
| 1. Shri Jitender Kumar | } all sons of Shri Shiv Ram, resident of village Sal, Pargana Saraj, Tehsil Suni, District Shimla, Himachal Pradesh |
| 2. Shri Khesva Nand | |
| 3. Shri Bhim Prakash | |
| 4. Shri Chitar Sain | |
| 5. Shri Bhuvneshwar | |
| 6. Shri Sunder | |

..Applicants.

Versus

General public.

Application for registration of "WILL" under section 40/41 of Indian Registration Act.

Whereas in the above noted case, above mentioned applicants have presented an application for registration of a 'WILL' reportedly executed by Shrimati Leelawati d/o Shri Paras Ram wd/o Shri Neel Khanth, resident of Village Gulthani Tehsil Suni, District Shimla.

This proclamation is hereby issued to general public and kiths and kins of the deceased to file objections, if any, to the registration of the above noted document in this court on or before 8th February, 1989 personally or through pleader or an authorised agent, failing which the above-noted application shall be disposed of *ex-parte*.

Given under my hand and seal of the court on 9th January, 1989.

Seal. PRITAM SINGH JHABA,
Sub-Registrar Suni,
Tehsil Suni, District Shimla.

नोटिस बनाम प्रतिवादी : गुरदास राम पुत्र कान्शी राम, निवासी नगडाह, तहसील व जिला ऊना ।

उपरोक्त मुकद्दमा तकसीम इस अदाबत में जेरे समाप्त है। उपरोक्त प्रतिवादी गुरदास राम पुत्र कान्शी राम को इस कायलिय द्वारा समन हुये थे मगर तारीख न हुई है। सायल ब्याती है कि प्रतिवादी समन लेने से गुरेज करता है इसलिये प्रतिवादी को जेर आर्डर 5, हल 20, सो 0 पी 0 सी 0 के अधीन नोटिस जारी किया जाता है कि वह दिनांक 6-2-89 को अदालत हुना में अमालतन न बकालतन हाजर हो कर मुकद्दमा को पंरबी करे अन्यथा उसके बिस्द कार्यवाही यकतरफा अमल लाई जाकर मुकद्दमा का फंसला कर दिया जाएगा ।

आज दिनांक 3-1-89 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर द्वारा न्यायालय से जारी हुआ ।

मोहर ।

अर्जुन सिंह ठाकुर,
सहायक समाहर्ता, प्रथम कां
ऊना ।

HIMACHAL PRADESH UNIVERSITY (CONDUCT BRANCH)

NOTIFICATIONS

Shimla-5, the 18th January, 1989

No. 5-19/88 HPU (Conduct).—Bhim Sain s/o Shri Inder Chhetan Reg. No. 83-SL-255 has been allowed to change his name "Bhim Sain" to Arvind Sagar. In future his name in the University record will be shown as Bhim Sain Alias Arvind Sagar.

Shimla-5, the 18th January, 1989

No. 4-7/85-HPU (Conduct).—Mrs. Shakuntala Dujari d/o Shri Duli Chand Dujari Reg. No. 87-cc-d-117 has been allowed to change her name from Shakuntala Dujari to 'Shakuntala Maheshwari'. In future her name in the University record will be shown as 'Shakuntala Maheshwari' nee 'Shakuntala Dujari'.

Assistant Registrar (Conduct),
H. P. University, Shimla-5

ब अदालत श्री अर्जुन सिंह ठाकुर, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम बर्ग, ऊना, हि 0 प्र 0

मिसल नं 0 26/T/88 तकसीम

राजपत्री वगैरा बनाम जोम राध वगैरा वाक्या मौजा नगडाह, तहसील ऊना, जिला ऊना ।

वाक्या तकसीम भूमि तादादी 51 कनाल 7 यस्त्रे, खेवट नं 0 296, बत्तीनी नं 0 339, बसरा नं 0 112, 114, 6114, 6314, 283, 284, 1811611, 191412, 712, 812, 912, 1111,

भाग 6—भारतीय राजपत्र इत्यादि में से पुनः प्रकाशन

भूमि

भाग 7—भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं

भूमि

अनुपूरक

भूमि

PART I

हिमाचल एवं जन स्वास्थ्य विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 11 फरवरी, 1988

संख्या सिवाई 11-47/87.शिमला.—यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः गांव मौजा हलोग, तहसील व जिला शिमला में उठाऊ पेयजल योजना के हेतु सग्रहण टैंक के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है अतएव एतद्द्वारा

यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिशेव में जैसा कि निम्न विवरणों में निदिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है ।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हैं या हो सकते हैं को जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 को धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है ।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए; राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और अधिकों को इलाके की किसी भी

भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी ऐसा हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो, तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिनों की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, गिमला, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग के समक्ष अपनी आपत्ति सायर कर सकता है।

विस्तृत विवरणो		तहसील : शिमला		
जिला : शिमला		क्षेत्र	वी० बि० विस्वा०	
गांव	खसरा संख्या	बी० बि०	3	4 5
1	2			
हलण	93/1		0 3	0

आदेश द्वारा,
अ० कु० महोपाय,
सचिव।

भ्रम विभाग

शुद्धि-पत्र

शिमला-2, 31 दिसम्बर, 1988

संख्या 19-2/87-भ्रम.—कृपया इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 23-9-1987 में व्याख्या किये गये निर्णायक विषय

"Whether the action of managements M/s Baira-Siul Project Surgani and Chamba Hydro-Electric Project Surgani in promoting Shri Bainsu Ram w. e. f. 1-11-1985 whereas his junior Shri Om Parkash was promoted w. e. f. 7-4-1979 is justified and in order. If not, to what relief Shri Bainsu Ram is entitled?"

के स्थान पर

"Whether the action of management of NHPC Ltd.. Baira Siul Project. Surangani and Chamera Hydro-Electric Project. Dalhousie in promoting Shri Bainsu Ram w. e. f. 1-11-1985 whereas his junior Shri Om Parkash was promoted w. e. f. 7-4-1979 to the next higher grade of Rs. 210—290 is justified and in order. If not, to what relief Shri Bainsu Ram is entitled?"

पढ़ें।

शिमला-2, 31 दिसम्बर, 1988

संख्या 19-13/87-भ्रम.—कृपया इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना, दिनांक 9-12-1988 के निर्णायक विषय के पैरा (1) की तीसरी पंक्ति में ग्रिमिस्टेंट ग्रेड-II के स्थान पर ग्रिमिस्टेंट ग्रेड-III, पैरा (II) की पहली पंक्ति में ग्रिमिस्टेंट ग्रेड-II के स्थान पर ग्रिमिस्टेंट ग्रेड III तथा पैरा (III) की दूसरी पंक्ति के शुरू में ग्रेड-II के स्थान पर ग्रेड-III पढ़ने की कृपा करें।

आदेशानुसार
हस्ताक्षरित/—
सचिव।

लोक निर्माण विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 9 दिसम्बर, 1988

संख्या लो०नि०(ख) 7(1) 21/88.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को

सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः गांव मांदरी, शांजी और दाङगी, तहसील मुन्नी, जिला शिमला में सानन घाटी-दाङगी सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अत्यावश्यक अपेक्षित है, अतएव एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र से जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित या अनुमत अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

अत्याधिक आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के अधीन यह भी निर्देश देते हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5 ए के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

विवरणी

जिला : शिमला

तहसील : मुन्नी

गांव	खसरा संख्या	क्षेत्र	बी० बि० विस्वा०
1	2	3	4
मांदरी	39211	0	12
	34611	0	8
	35711	0	4
	46911	0	18
	35611	0	3
	47011	0	1
	30611	0	4
	16311	0	3
	16411	0	5
	21111	0	5
	21311	0	3
	40011	0	10
	32311	0	19
	47111	1	3
	16711	0	6
	16811	0	3
	16611	0	4
	21211	0	3
	27511	0	7
	34711	0	4
	27511	2	3
	34711	0	5
	35811	0	7
	20611	0	2
	39111	0	7
	40211	0	2
	34511	0	5
	401	0	13
	1052120111	0	8
	1050120111	0	6
	10511201	0	10
	34111	0	12
	27411	0	5
	27811	0	1
	27312	0	2
	27711	0	4
	20711	0	10
	27111	0	7

1	2	3	4
	27211	0	4
	27611	0	15
	27911	0	10
	310	0	10
	31111	0	3
	21411	0	1
	28511	0	5
	1344150711	5	4
कित्ता	44	21	4
शावली	10781427	0	1
	10791427	0	3
	1077142711	0	5
	1080143211	0	5
	1081143211	0	4
	1071142511	0	8
	1220142311	0	18
	12911142311	1	7
	43111	0	8
	1177142811	0	4
	11701428	0	5
	42	0	1
	4411	0	16
	4811	0	3
	4911	1	14
	491111	0	5
	5111	0	7
	5911	0	5
	6011	0	7
	43011	0	4
	43511	0	8

	1278141511	1	
	4011	1	2
	1279141511	2	6
	12921122111	6	13
	12921122113	0	8
कित्ता	26	20	12
दाङ्गी	58811	0	1
	56411	0	3
	56511	0	2
	586	0	6
	584	0	7
	583	0	3
	57111	0	1
	620157311	0	3
	57611	0	4
	592158911	0	16
	592158912	0	16
	592158913	0	3
	56311	1	6
	585	0	2
	587	0	8
	57411	0	4
	58011	0	18
	57511	0	9
	58211	0	12
	58212	0	12
कित्ता	20	6	17

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
सचिव।

PART II

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी किनौर जिला स्थित कल्पा (हि० प्र०)

अधिसूचना

कल्पा, 17 जनवरी, 1989

संख्या खाद्य-केनर(ई) 12-1/82-III.—इस कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या खाद्य-केनर (ई) 12-1/82-III-5620, दिनांक 4-11-1988 द्वारा आवश्यक वस्तुओं के अधिकतम परबत मूल्य सीमा निर्धारित की गई का प्रसंग जारी रखते हुए जोकि हिमाचल प्रदेश असाधारण राजपत्र, दिनांक 19-11-1988 में प्रकाशित हो चुका है तथा हिमाचल प्रदेश जमाखोरी/मुनाकाखोरी निरोधक आदेश, 1977 की धारा 3(1)(ई) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, प्रेम कुमार, जिला दण्डाधिकारी, जिला किनौर स्थित कल्पा आदेश जारी करता हूँ कि उपरोक्त अधिसूचना द्वारा निर्धारित मूल्य 2 माह के लिए लागू रहेंगे जोकि दिनांक 18-2-1989 तक मान्य होंगे।

प्रेम कुमार,
जिला दण्डाधिकारी,
कल्पा, जिला किनौर (हि० प्र०)।

Notice of Publication of Notary Public at Nahan,
Himachal Pradesh

NOTIFICATION

Nahan, the 19th May 1988

No. 5708/HVC/DC/88.—In exercise of the powers vested in me under the Rule-7 of Public Notaries Rules, 1956, I, Ashok Thakur, District Magistrate (Competent Authority), Sirmour district at Nahan, Himachal Pradesh do hereby recommend the name of

Shri D. D. Bhardwaj Advocate of Nahan also for the appointment of Public Notary for Nahan under the Public Notaries Act.

If any person has any objection in this respect, then he can file his objection/objections in written before the undersigned within the period of fourteen days from the date of publication of this notification in the Rajpatra of Himachal Pradesh. Any objection if received after the expiry of this period will not be considered.

ASHOK THAKUR,
District Magistrate,

Place: Nahan

Date:—19-5-1988

(Competent Authority)
Sirmour District Nahan H. P.

Notice of Publication of Notary Public at Paonta Sahib,
District Sirmour (H. P.)

NOTIFICATION

Nahan, the 19th May, 1988

No. 5709/HVC/DC/88.—In exercise of the powers vested in me under the Rule-7 of Public Notaries Rules, 1956, I, Ashok Thakur, District Magistrate (Competent Authority), Sirmour district at Nahan Himachal Pradesh do hereby recommend the names of S'Sri D. C. Khanduja and Anil Kumar Sareen, Advocates of Paonta Sahib for the appointment of Public Notary/Notaries for Paonta Sahib, District Sirmour, Himachal Pradesh under the Public Notaries Act.

If any person has any objection in this respect, then he can file his objection/objections in written before the undersigned within the period of fourteen days from the date of publication of this notification in the Rajpatra of Himachal Pradesh. Any objection if received after the expiry of this period will not be considered.

ASHOK THAKUR,
District Magistrate

Place:—Nahan.

Date:—19-5-1988

(Competent Authority)
Sirmour District Nahan, (H. P.).

भाग-5

In the court of Shri. R. L. Azad, Sub-Judge 1st Class (I),
Hamirpur

Civil Suit No. 162/1987

Lachhmi Devi

vs.

Khalelo Devi

Vs.—1. Nikka Ram, 2. Dharam Singh, r/o Lambot,
Tappa Naunghi, Teh. Nadaun, District
Hamirpur.

Whereas in the above noted case it has been proved
to the satisfaction of this court that service upon the

above noted defendants is not possible by an ordinary
mode of service. Hence this proclamation under order
5, rule 20 C.P.C. is hereby issued against the above noted
defendants to appear before this court on 3-2-1989
at 10 A.M. personally or through an authorised agent or
pleader to defend the case failing which case will be
heard *ex-parte*.

Given under my hand and seal of the court today this
27th December, 1988.

Seal.

R. L. AZAD,
Sub-Judge 1st Class (I), Hamirpur.